Raisina Bengali School
Class : 5
Chapter : 3
Hindi

Instructions :-

- Read the Chapter and Understand It through the Video.

3. चाँद वाली अम्मा

तुम शरारत तो करती ही होगी? कौन-कौन सी शरारत करती हो?
इन चीज़ों का इस्तेमाल तुम कोई शरारत करने के लिए कैसे करोगी?

झाड़ू *पंख* *कागज़* *गुब्बारा*

बहुत समय पहले की बात है। एक बूढ़ी अम्मा थी। बिल्कुल अकेली! उसका अपना कोई न था। घर का कामकाज उसे खुद ही करना पड़ता। सुबह उठकर कुएँ से पानी लाना, खाना बनाना आदि। उसके साथ एक परेशानी थी। वह रोज़ सुबह उठकर जब घर में झाड़ू लगाती तब तक

तो सब ठीक रहता पर जैसे ही वह आँगन में जाती और झाड़ू लगाने के लिए झुकती, तभी आसमान आकर उसकी कमर से टकराता।

अम्मा उसे घूरकर देखती तो वह थोड़ा हट जाता। फिर वह जैसे ही दुबारा झुकती, आसमान फिर अपनी हरकत दोहराता।

एक दिन, दो दिन, तीन दिन। लगातार यही क्रम चलता रहा। अम्मा झाड़ू लगाए और आसमान उसे तंग करे।

एक दिन कुएँ पर पानी भरने को लेकर अम्मा का किसी और से झगड़ा हो गया। अम्मा ज़रा गुस्से में थी। वह झाड़ू उठाकर आँगन में गई और जैसे ही झुकी, आसमान ने अपनी आदत के अनुसार उसे फिर छेड़ा।

अम्मा ने आव देखा न ताव और कसकर एक झाड़ू आसमान को दे मारी। आसमान झट हट गया। पर वह भी अपनी आदत से मजबूर था। दूसरी बार फिर अम्मा के झुकते ही टक्कर मारने लगा। अम्मा ने फिर पूरी ताकत से उस पर वार किया।

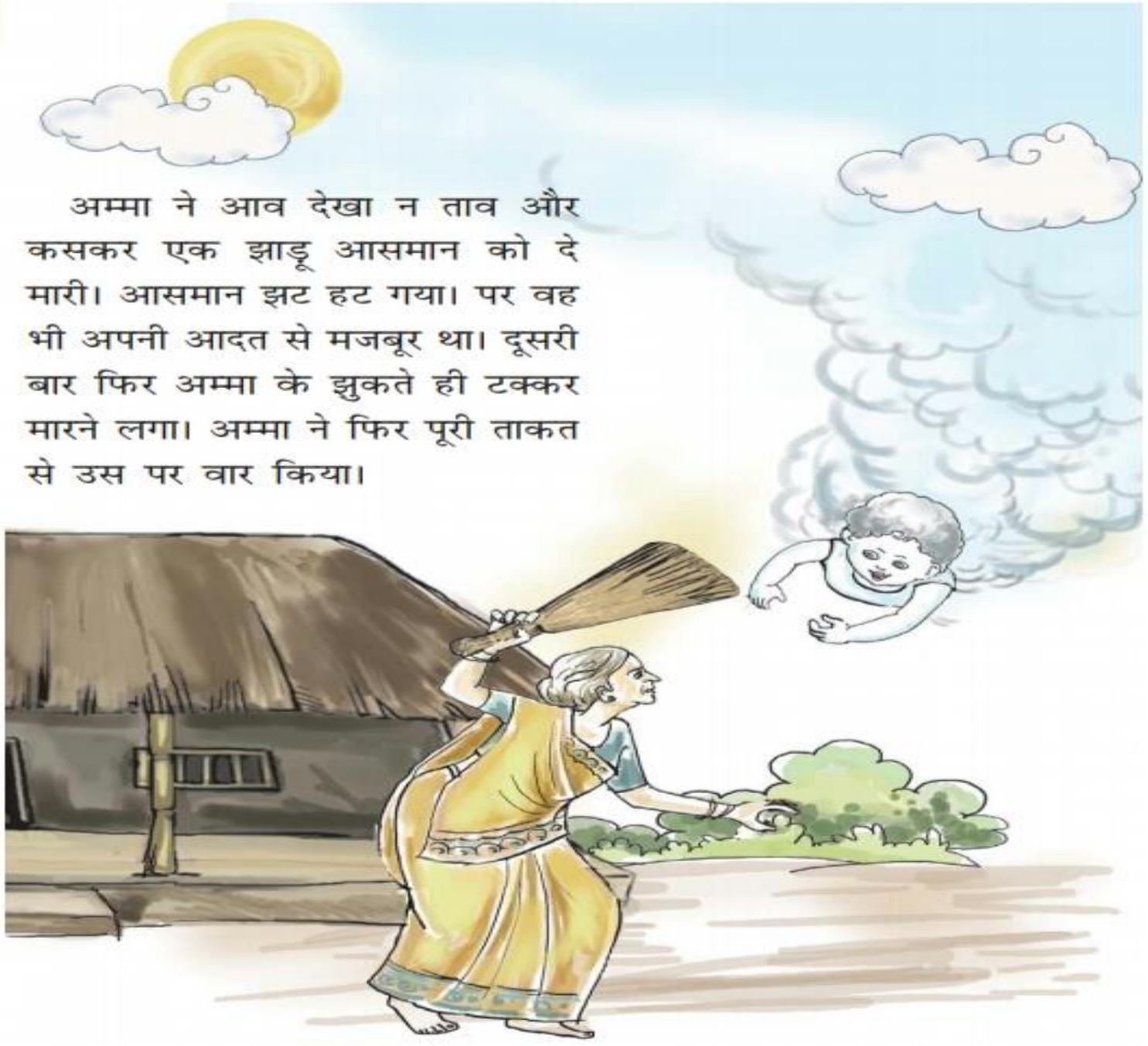

आसमान को शरारत सूझी। इस बार उसने झाड़ू पकड़ ली। उधर अम्मा भी झाड़ू पकड़े थी। रस्साकशी शुरू हो गई। झाड़ू का ऊपर वाला हिस्सा आसमान पकड़े हुए था तो नीचे वाला अम्मा, दोनों छोड़ने को तैयार नहीं थे। अम्मा चिल्लाई – छोड़ मेरा झाड़ू ! मेरे पास एक यही झाड़ू है।

तब भी आसमान ने नहीं छोड़ा। बूढ़ी अम्मा कब तक रस्साकशी करती ..... थक गई।

आसमान ने झाड़ू खींचना नहीं छोड़ा। अब वह झाड़ू के साथ ऊपर उठने लगा। उसके साथ-साथ झाड़ू पकड़े हुए अम्मा भी ऊपर जाने लगी। वह चिल्लाई –

मुझे नीचे छोड़ दे!

आसमान ने कहा – अम्मा, अब मैं तुम्हें नहीं छोड़ूँगा। ले चलूँगा ऊपर। वहीं झाड़ू लगाना।

अम्मा अब झाड़ू नहीं छोड़ सकती थी, क्योंकि वह बहुत ऊपर पहुँच चुकी थी। तभी उसे वहाँ चाँद दिख गया। झट अम्मा ने पैर बढ़ाया और चाँद पर चढ़ गई, पर झाड़ू नहीं छोड़ी। आसमान को फिर शरारत सूझी। उसने सोचा – अम्मा तो चाँद पर चढ़ गई है। यदि चाँद उसकी मदद करेगा तो मैं हार जाऊँगा। इसे यहीं रहने दूँ।

ऐसा सोचकर उसने झाड़ू छोड़ दिया। अम्मा झाड़ू सहित चाँद पर रह गई। वह इतनी थक गई थी कि झाड़ू पकड़े-पकड़े ही चाँद पर बैठ गई। आसमान ऊपर चला गया। उस दिन से आज तक बूढ़ी अम्मा झाड़ू पकड़े चाँद पर बैठी है।

तारा निगम

Thank
you!!